

DEPARTMENT OF HINDI

SEMESTER – V

BA (Hons) Hindi

Semester V : DSC-13

पाश्चात्य काव्यशास्त्र

Course Code & Title	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility Criteria	Pre-requisite of the course (If any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSC-13 पाश्चात्य काव्यशास्त्र	4	3	1	0	Class 12 th pass with Hindi	NIL

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- पाश्चात्य काव्यशास्त्र की समझ विकसित करना ।
- चिंतन के नए आयामों की ओर आकृष्ट करना ।
- साहित्यिकता की नई समझ की जानकारी देना ।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- विद्यार्थियों में पश्चिमी काव्यशास्त्रीय चिंतन-धारा की समझ विकसित होगी ।
- नई विचारधाराओं और साहित्यिकता का ज्ञान प्राप्त करेंगे ।
- विद्यार्थी हिंदी साहित्य पर पाश्चात्य चिंतन के प्रभाव से परिचित होंगे ।

इकाई 1 :

(12 घंटे)

- अरस्तू : अनुकरण सिद्धांत, विरेचन सिद्धांत, त्रासदी का विवेचन
- लॉजाइनस : उदात्त सिद्धांत

इकाई 2 :

(12 घंटे)

- वर्ड्सवर्थ और कॉलरिज : कविता और काव्यभाषा संबंधी मान्यताएँ, कॉलरिज का कल्पना सिद्धांत
- टी. एस. इलियट : परंपरा और वैयक्तिक प्रज्ञा, निर्व्यक्तिकता का सिद्धांत

इकाई 3 :

(9 घंटे)

- स्वच्छंदतावाद, यथार्थवाद और संरचनावाद का सामान्य परिचय

इकाई 4 :

(12 घंटे)

- काव्य के उपादान : बिम्ब, प्रतीक, विसंगति, विडंबना, मिथक, फैंटसी

सहायक ग्रंथों की सूची:

1. सिंह, बच्चन; हिंदी आलोचना के बीज शब्द, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली ।
2. बाली, तरकनाथ; पाश्चात्य काव्यशास्त्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली ।
3. तिवारी, रामपूजन; पाश्चात्य काव्यशास्त्र, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली ।
4. भारद्वाज, मैथिलीप्रसाद; पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धांत, हरियाणा साहित्य अकादमी, चंडीगढ़ ।
5. मिश्र, रमेश चंद्र, पाश्चात्य समीक्षा सिद्धांत, अशोक प्रकाशन, दिल्ली ।
6. मिश्र, सत्यदेव; पाश्चात्य समीक्षा : सिद्धांत और वाद, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा ।
7. शर्मा, देवेन्द्रनाथ; पाश्चात्य काव्यशास्त्र, नैशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली ।
8. राय, अनिल; पाश्चात्य काव्यशास्त्र : कुछ सिद्धांत कुछ वाद, शिवालिक प्रकाशन, दिल्ली ।

BA (Hons) Hindi
Semester V : DSC-14
आधुनिक हिंदी कविता (छायावादोत्तर)

Course Code & Title	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility Criteria	Pre-requisite of the course (If any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSC-14 आधुनिक हिंदी कविता (छायावादोत्तर)	4	3	1	0	Class 12 th pass with Hindi	—

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- छायावादोत्तर कविताओं के माध्यम से युग बोध के संदर्भ में विद्यार्थियों को काव्य सौंदर्य, काव्यानुभूति को समझने, परखने योग्य बनाना।
- कविता विशेष में निहित विचार विशेष से विद्यार्थियों में उदात्त भाव का संचरण कराना।
- छायावादोत्तर कविता के विभिन्न रचनात्मक सदर्थों को समझने में सक्षम बनाना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थीगण छायावादोत्तर हिंदी कविता के सन्दर्भ में गहन रूप से जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
- वैश्विक संदर्भों में स्वाधीनता आंदोलन के परिप्रेक्ष्य से परिचय प्राप्त करते हुए विद्यार्थी छायावादोत्तर कविता के विविध संदर्भों को समझ सकेंगे।

इकाई 1 :

(12 घंटे)

- नागार्जुन : सिंदूर तिलकित भाल, उनको प्रणाम, दुखरन मास्टर (प्रतिनिधि कविताएँ, नागार्जुन)
- गिरिजा कुमार माथुर : 15 अगस्त, हम होंगे कामयाब एक दिन

इकाई 2 :

(12 घंटे)

- अज्ञेय : यह दीप अकेला, कलगी बाजरे की, नदी के द्वीप (चुनी हुई कविताएँ, अज्ञेय, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली)
- रघुवीर सहाय : रामदास, दयावती का कुनबा (रघुवीर सहाय रचनावली, खंड 1, संपादक : सुरेश शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली)

इकाई 3 :**(9 घंटे)**

- भवानी प्रसाद मिश्र : गीत फरोश ('गीत फरोश' संग्रह से), चकित है दुःख ('चकित है दुःख' संग्रह से), बुनी हुई रस्सी ('बुनी हुई रस्सी' संग्रह से)
- जगदीश गुप्त : सच हम नहीं सच तुम नहीं, वर्षा और भाषा, आस्था ('नाव के पांव' संग्रह से)

इकाई 4 :**(12 घंटे)**

- केदारनाथ सिंह : सुई और तागे के बीच में (यहाँ से देखो, केदारनाथ सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली) पानी की प्रार्थना, अंत महज़ एक मुहावरा है (तालस्ताय और साइकिल, केदारनाथ सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली)
- कुँवर नारायण : एक वृक्ष की हत्या, एक अजीब सी मुश्किल ('इन दिनों' संग्रह से), कविता की जरूरत ('कोई दूसरा नहीं' संग्रह से)

सहायक ग्रंथों की सूची:

1. सिंह, नामवर; कविता के नए प्रतिमान, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली ।
2. शर्मा, रामविलस; नयी कविता और अस्तित्ववाद, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली ।
3. तिवारी, विश्वनाथ प्रसाद; आधुनिक हिंदी कविता, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज ।
4. श्रीवास्तव, परमानंद; समकालीन कविता का यथार्थ, हरियाणा साहित्य अकादेमी, चंडीगढ़ ।
5. नवल, नंदकिशोर; समकालीन काव्य-यात्रा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली ।
6. जोशी, राजेश; समकालीनता और साहित्य, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली ।
7. चतुर्वेदी, रामस्वरूप; आधुनिक कविता यात्रा, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज ।
8. वर्मा, लक्ष्मीकांत; नयी कविता के प्रतिमान, भारती प्रेस प्रकाशन, प्रयागराज ।
9. साही, विजयदेव नारायण; छठवां दशक, हिंदुस्तानी एकेडेमी, प्रयागराज ।
10. शर्मा, केदार; अज्ञेय साहित्य : प्रयोग और मूल्यांकन ।
11. ऋषिकल्प, रमेश; अज्ञेय की कविता : परंपरा और प्रयोग, वाणी प्रकाशन, दिल्ली ।
12. मिश्र, यतींद्र (संपादक); कुँवर नारायण : उपस्थिति, वाणी प्रकाशन, दिल्ली ।
13. पालीवाल, डॉ. कृष्णदत्त; भवानीप्रसाद मिश्र का काव्य-संसार, वाणी प्रकाशन, दिल्ली ।

BA (Hons) Hindi
Semester V : DSC-15
हिंदी आलोचना

Course Code & Title	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility Criteria	Pre-requisite of the course (If any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSC-15 हिंदी आलोचना	4	3	1	0	Class 12 th pass with Hindi	—

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- सांस्कृतिक चेतना के विकास में आलोचना की भूमिका की समझ विकसित करना ।
- समग्र हिंदी आलोचना के विकास का युगीन परिप्रेक्ष्य में परिचय कराना ।
- रचना के गुण-दोष विवेचन की क्षमता विकसित करना ।
- रचना और जीवन के प्रति आलोचकीय विवेक विकसित करना ।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- विद्यार्थियों में युगीन परिस्थितियों के विश्लेषण से सैद्धांतिक और व्यावहारिक समझ विकसित होगी ।
- समग्र सामाजिक जीवन के परिप्रेक्ष्य में रचना के विश्लेषण की क्षमता विकसित होगी ।
- विद्यार्थी अपने जीवन में किसी भी विषय के प्रति गुण-दोष का विवेचन करने योग्य बन सकेंगे ।
- रचना और जीवन के प्रति आलोचकीय विवेक का विकास होगा ।

इकाई 1 :

(9 घंटे)

- हिंदी आलोचना के विकास के विविध चरण – मध्यकालीन, आधुनिक और समकालीन

इकाई 2 :

(12 घंटे)

- भारतेन्दु : नाटक
- रामचंद्र शुक्ल : काव्य में लोकमंगल की साधनावस्था
- प्रेमचंद : साहित्य का उद्देश्य

इकाई 3 :

(12 घंटे)

- हजारी प्रसाद द्विवेदी – आधुनिक साहित्य: नई मान्यताएँ

- रामविलास शर्मा – तुलसी साहित्य के सामंत-विरोधी मूल्य
- अज्ञेय – ‘तार सप्तक’ की भूमिका

इकाई 4 :

(12 घंटे)

- नामवर सिंह – नयी कहानी: सफलता और सार्थकता
- निर्मल वर्मा – रेणु: समग्र मानवीय दृष्टि
- रामस्वरूप चतुर्वेदी – निराला (‘प्रसाद, निराला, अज्ञेय’ पुस्तक से)

सहायक ग्रंथों की सूची:

1. त्रिपाठी, विश्वनाथ; हिंदी आलोचना, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली ।
2. नवल, नंद किशोर; हिंदी आलोचना का विकास, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली ।
3. शर्मा, रामविलास; भारतेंदु युग और हिंदी भाषा की विकास परंपरा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।
4. शर्मा, रामविलास; महावीरप्रसाद द्विवेदी और हिंदी नवजागरण, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।
5. शुक्ल, आचार्य रामचंद्र; चिंतामणि, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।
6. शर्मा, रामविलास; परंपरा का मूल्यांकन, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।
7. अज्ञेय (संपादक); तार सप्तक, भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, नई दिल्ली ।
8. मुक्तिबोध, गजानन माधव; नयी कविता का आत्मसंघर्ष तथा अन्य निबंध, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।
9. शुक्ल, आचार्य रामचंद्र; हिंदी साहित्य का इतिहास, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली ।
10. द्विवेदी, आचार्य हजारीप्रसाद; हिंदी साहित्य की भूमिका, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।
11. सिंह, नामवर; दूसरी परंपरा की खोज, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।
12. सिंह, नामवर; कहानी : नयी कहानी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।
13. वर्मा, निर्मल; शब्द और स्मृति, वाणी प्रकाशन, दिल्ली ।
14. साही, विजय देव नारायण; छठयाँ दशक, हिंदुस्तानी एकेडेमी, इलाहाबाद ।
15. शर्मा, कृष्णदत्त; मुक्तिबोध की आलोचना-दृष्टि, हिंदुस्तानी एकेडेमी, इलाहाबाद ।
16. चतुर्वेदी, रामस्वरूप; प्रसाद, निराला, अज्ञेय, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।

BA (Hons) Hindi
Semester V: DSE
भारतीय और पाश्चात्य रंगमंच

Course Code & Title	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility Criteria	Pre-requisite of the course (If any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSE भारतीय और पाश्चात्य रंगमंच	4	3	1	0	Class 12 th pass with Hindi	—

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):

- भारतीय एवं पाश्चात्य रंग सिद्धांतों का स्वरूपगत विभेद तथा परंपरा का आद्यंत परिचय ।
- भारतीय एवं पाश्चात्य विविध नाट्य रूपों के दार्शनिक चिंतन के अंतर की जानकारी ।
- भारतीय तथा पाश्चात्य नाट्य रूपों की व्यावहारिक तथा प्रयोगात्मक जानकारी ।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- भारतीय एवं पाश्चात्य रंग परंपराओं के भेद तथा प्रकारों का परिचय प्राप्त हो सकेगा ।
- भारतीय एवं पाश्चात्य रंग परंपराओं के आदान-प्रदान से निर्मित आधुनिक नाट्य रूपों की जानकारी प्राप्त हो सकेगी ।
- भारतीय एवं पाश्चात्य नाट्य रूपों की विविधता से परिचय के बाद समकालीन रंग परिदृश्य की बेहतर समझ विकसित होगी ।

इकाई-1 :

(12 घंटे)

- नाटक की भारतीय अवधारणाएं (उत्पत्ति तथा स्वरूप संबंधी मान्यताएं)
- नाटक की पाश्चात्य अवधारणाएं (उत्पत्ति तथा स्वरूप संबंधी मान्यताएं)

इकाई-2 :

(12 घंटे)

- भारतीय नाट्यरूप : रूपक, उपरूपक, नाटक (प्रकार तथा भेद)
- आधुनिक भारतीय नाट्यरूप : काव्य नाटक, एकांकी, रेडियो नाटक, नुक्कड़ नाटक

इकाई-3 :

(9 घंटे)

- अरस्तू : अनुकरण सिद्धांत
- अरस्तू : विरेचन सिद्धांत

इकाई-4 :

(12 घंटे)

- पाश्चात्य नाट्यरूप : त्रासदी, ड्रामा
- पाश्चात्य नाट्यरूप : कामदी, मेलोड्रामा

सहायक ग्रंथों की सूची:

1. भरतमुनि; नाट्यशास्त्र
2. नगेंद्र, डॉ.; भारतीय नाट्य चिंतन
3. चेनी, शेल्डान; रंगमंच
4. ओझा, दशरथ; हिंदी नाटक : उद्भव और विकास
5. त्रिपाठी, राधावल्लभ; नाट्यशास्त्र विश्वकोश
6. गार्गी, बलवंत; रंगमंच
7. दीक्षित, सुरेंद्रनाथ; भरत और भारतीय नाट्यकला, मोतीलाल बनारसी दास, नई दिल्ली।
8. चातक, गोविंद; रंगमंच : कला और दृष्टि
9. चतुर्वेदी, सीताराम; भारतीय एवं पाश्चात्य रंगमंच, हिंदी समिति, सूचना विभाग, लखनऊ।
10. जैन, नेमिचंद्र; रंगदर्शन
11. लाल, लक्ष्मीनारायण; रंगमंच : देखना और जानना
12. त्रिपाठी, वशिष्ठ नारायण; नाटक के रंगमंचीय प्रतिमान
13. राय, डॉ. नर्वदेश्वर; हिंदी नाट्यशास्त्र का स्वरूप

BA (Hons) Hindi
Semester V: DSE
हिंदी सिनेमा : व्यावसायिक संदर्भ

Course Code & Title	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility Criteria	Pre-requisite of the course (If any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSE हिंदी सिनेमा : व्यावसायिक संदर्भ	4	3	1	0	Class 12 th pass with Hindi	—

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):

- हिंदी सिनेमा का सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक ज्ञान देना ।
- हिंदी सिनेमा के विकास के विभिन्न चरणों से परिचय कराना ।
- हिंदी सिनेमा के माध्यम से भारतीय समाज एवं संस्कृति का बोध कराना ।
- हिंदी सिनेमा और उसके माध्यम से रोजगार की ओर अग्रसर होना ।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- हिंदी सिनेमा की सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक समझ विकसित होगी ।
- हिंदी सिनेमा की विकास-यात्रा के विभिन्न चरणों से परिचित होंगे ।
- हिंदी सिनेमा में निहित समाज एवं संस्कृति के अंतर्संबंधों के विश्लेषण में समर्थ होंगे ।
- हिंदी सिनेमा और उसके माध्यम से रोजगार से परिचित होंगे ।

इकाई 1 : हिंदी सिनेमा : सामान्य परिचय

(11 घंटे)

- हिंदी सिनेमा का स्वरूप
- हिंदी सिनेमा के प्रमुख चरण – मूक सिनेमा, सवाक सिनेमा, रंगीन सिनेमा, ओटीटी सिनेमा
- सिनेमा के प्रकार – लोकप्रिय/व्यावसायिक सिनेमा, समानांतर/कला सिनेमा, क्षेत्रीय सिनेमा, विश्व सिनेमा

इकाई 2 : हिंदी सिनेमा का बाजार

(11 घंटे)

- सिनेमा : कला अथवा उत्पाद
- तकनीक और ब्रांड का बाजार

- गीत और संगीत का बाजार
- विश्व बाजार में भारतीय सिनेमा

इकाई 3 : सिनेमा का बदलता स्वरूप

(11 घंटे)

- स्वतंत्रतापूर्व हिंदी सिनेमा एवं मूल्यबोध
- स्वातंत्र्योत्तर हिंदी सिनेमा : सामाजिक-सांस्कृतिक, राष्ट्रीय और आर्थिक परिप्रेक्ष्य
- वैश्वीकरण और हिंदी सिनेमा – रीमेक सिनेमा, सौ करोड़ी सिनेमा, बायोपिक सिनेमा, सीक्वल सिनेमा
- क्षेत्रीय सिनेमा का वैश्विक बाजार

इकाई 4 : फिल्मों का (सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक, सांस्कृतिक आदि दृष्टियों से) अध्ययन

(12 घंटे)

- पूरब और पश्चिम
- मेरा नाम जोकर
- जंजीर
- दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे
- दंगल
- बॉर्डर

विशेष: उपरोक्त में से कुछ फिल्मों में तीन वर्ष के अंतराल पर अकादमिक परिषद की सहमति से बदली जा सकती हैं।

सहायक ग्रंथों की सूची:

1. मृत्युंजय; हिंदी सिनेमा के सौ बरस, शिल्पायन प्रकाशन, दिल्ली।
2. चड्ढा, मनमोहन; हिंदी सिनेमा का इतिहास, सचिन प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. बिसारिया, डॉ. पुनीत; भारतीय सिनेमा का सफरनामा, अटलांटिक पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स, नई दिल्ली।
4. ब्रह्मात्मज, अजय; सिनेमा की सोच, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
5. दास, विनोद; भारतीय सिनेमा का अंतःकरण, मेधा बुक्स, शहादरा, दिल्ली।
6. ओझा, अनुपम; भारतीय सिने सिद्धांत, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
7. राय, अजित; बॉलीवुड की बुनियाद, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
8. सिंह, जय; सिनेमा बीच बाजार, सामयिक प्रकाशन, दिल्ली।

BA (Hons) Hindi
Semester V : DSE
हिंदी यात्रा साहित्य

Course Code & Title	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility Criteria	Pre-requisite of the course (If any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSE हिंदी यात्रा साहित्य	4	3	1	0	Class 12 th pass with Hindi	—

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- विद्यार्थियों को यात्रा साहित्य के माध्यम से समाज एवं संस्कृति के विविध पहलुओं से परिचित कराना।
- विद्यार्थियों में राष्ट्रीयता के भाव-बोध को जागृत करना।
- विद्यार्थियों को यात्रा साहित्य के इतिहास की जानकारी देना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- विद्यार्थी यात्रा साहित्य के लेखकों से परिचित होंगे।
- विद्यार्थी यात्रा वृत्तांत के साहित्यिक, सामाजिक और सांस्कृतिक महत्त्व से परिचित होंगे।
- यात्रा वृत्तांत के माध्यम से पर्यटन के प्रति रुचि विकसित होगी।

इकाई 1 : यात्रा साहित्य की अवधारणा और स्वरूप

(12 घंटे)

- यात्रा साहित्य का अर्थ और स्वरूप
- यात्रा साहित्य का महत्त्व
- यात्रा साहित्य की विशेषताएँ

इकाई 2 : हिंदी यात्रा साहित्य का विकासात्मक परिचय

(12 घंटे)

- स्वतंत्रता पूर्व हिंदी यात्रा साहित्य : सामान्य परिचय
- स्वातंत्र्योत्तर हिंदी यात्रा साहित्य : सामान्य परिचय
- यात्रा साहित्य का सामाजिक और सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य

इकाई 3 : पाठपरक अध्ययन – 1

(12 घंटे)

- किन्नर देश में – राहुल सांकृत्यायन

- अरे यायावर रहेगा याद – सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय'

इकाई 4 : पाठपरक अध्ययन – 2

(9 घंटे)

- चीड़ों पर चाँदनी – निर्मल वर्मा (अनुक्रम के अनुसार केवल 9वां यात्रा संस्मरण 'चीड़ों पर चाँदनी')
- कामाख्या क्षेत्रे गुवाहाटी नगरे – सांवरमल सांगानेरिया (पुस्तक : ब्रह्मपुत्र के किनारे-किनारे)

सहायक ग्रंथों की सूची:

1. सांगानेरिया, सांवरमल; ब्रह्मपुत्र के किनारे-किनारे, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली ।
2. सांकृत्यायन, राहुल; किन्नर देश में, किताब महल प्रकाशन, दरियागंज, नई दिल्ली ।
3. अज्ञेय; अरे यायावर रहेगा याद, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली ।
4. वर्मा, निर्मल; चीड़ों पर चाँदनी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली ।
5. उप्रेती, रेखा प्रवीण; हिंदी का यात्रा साहित्य, हिंदी बुक सेंटर, नई दिल्ली ।
6. नगेंद्र, डॉ; साहित्य का समाजशास्त्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली ।
7. अग्रवाल, वासुदेव शरण; कला और संस्कृति, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली ।
8. दिनकर, रामधारी सिंह; संस्कृति के चार अध्याय, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली ।
9. शर्मा, मुरारीलाल; हिंदी यात्रा साहित्य : स्वरूप और विकास, क्लासिकल पब्लिशिंग कंपनी, नई दिल्ली ।

BA (Hons) Hindi
Semester V : GE
कंप्यूटर और हिंदी

Course Code & Title	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility Criteria	Pre-requisite of the course (If any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSE कंप्यूटर और हिंदी	4	3	0	1	Class 12 th pass with Hindi	—

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):

- हिंदी के संदर्भ में कंप्यूटर की दुनिया से परिचित कराना ।
- हिंदी के विभिन्न फॉन्ट्स से परिचित कराना ।
- हिंदी में कंप्यूटर संबंधी कौशल का विकास करना ।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- कंप्यूटर से जुड़ी चुनौतियों और संभावनाओं का ज्ञान होगा ।
- ई-लर्निंग और ई-शिक्षण में हिंदी का प्रयोग सीख सकेंगे ।
- हिंदी में कंप्यूटर संबंधी कौशल का विकास होगा ।

इकाई 1 : कंप्यूटर तकनीक का विकास और हिंदी

(12 घंटे)

- कंप्यूटर : सामान्य परिचय और विकास
- हिंदी के विविध फॉन्ट्स
- कंप्यूटर में हिंदी की चुनौतियाँ और संभावनाएं

इकाई 2 : हिंदी भाषा और प्रौद्योगिकी

(9 घंटे)

- इंटरनेट और हिंदी
- देवनागरी और यूनिकोड
- हिंदी भाषा और ब्लॉग निर्माण

इकाई 3 : हिंदी भाषा, कंप्यूटर और ई-शिक्षण

(12 घंटे)

- हिंदी भाषा और ई-शिक्षण

- ई-लर्निंग और हिंदी
- हिंदी भाषा में ई-पुस्तकालय और ई-पाठशाला

इकाई 4 : हिंदी भाषा और कंप्यूटर : प्रायोगिक पक्ष

(12 घंटे)

- इंटरनेट पर हिंदी पत्र-पत्रिकाओं का परिचय
- हिंदी में वेब पेज तैयार करना
- हिंदी में वीडियो मॉड्यूल और पॉडकास्ट तैयार करना

सहायक ग्रंथों की सूची:

1. हरिमोहन; कंप्यूटर और हिंदी, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली ।
2. हरिमोहन; आधुनिक जनसंचार और हिंदी, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली ।
3. मल्होत्रा, विजय कुमार; कंप्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग, वाणी प्रकाशन, दिल्ली ।
4. गोयल, संतोष; हिंदी भाषा और कंप्यूटर, श्री नटराज प्रकाशन, दिल्ली ।
5. शर्मा, पी. के.; कंप्यूटर के डाटा प्रस्तुतिकरण और भाषा सिद्धांत, डायनेमिक पब्लिकेशन, दिल्ली ।
6. द्विवेदी, संजय (संपादक); सोशल नेटवर्किंग : नए समय का संवाद, यश पब्लिकेशन, दिल्ली ।
7. बिसारिया, यादव, कुशवाहा, पुनीत, बीरेन्द्र सिंह, यतेंद्र सिंह; कार्यालयीय हिंदी और कंप्यूटर, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली ।
8. रंजन, राजेश; अपना कंप्यूटर अपनी भाषा में, सामयिक प्रकाशन, दिल्ली ।

BA (Hons) Hindi
Semester V : GE
रंगमंच और लोक-साहित्य

Course Code & Title	Credits	Credit distribution of the course			Eligibility Criteria	Pre-requisite of the course (If any)
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
DSE रंगमंच और लोक-साहित्य	4	3	1	0	Class 12 th pass with Hindi	—

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective):

- लोकनाट्य रूपों की समग्र भारतीय परंपरा से परिचित कराना।
- भारतीय सांस्कृतिक-बोध के निर्माण में लोकनाट्य रूपों के योगदान के महत्व की समझ विकसित करना।

पाठ्यक्रम अध्ययन के परिणाम (Course Learning Outcomes):

- लोकनाट्य की समग्र भारतीय परंपरा का परिचय प्राप्त हो सकेगा।
- विविध प्रादेशिक लोकनाट्य रूपों के स्वरूप की जानकारी प्राप्त हो सकेगी।
- आधुनिक हिंदी रंगमंच के संदर्भ में विविध लोकनाट्य रूपों के प्रयोगधर्मी स्वरूप की समझ बन सकेगी।

इकाई 1 : लोकनाट्य : स्वरूप एवं अवधारणा

(9 घंटे)

- परंपरागत एवं आधुनिक लोकनाट्य का इतिहास (भरतमुनि प्रणीत नाट्यशास्त्र के पूर्व से लेकर, मध्यकालीन तथा आधुनिक मिश्रित प्रयोगधर्मी स्वरूप तक)

इकाई 2 : प्रमुख लोकनाट्य रूपों का संक्षिप्त परिचय

(12 घंटे)

- रामलीला, रासलीला, सांग, नौटंकी, ख्याल, माच, नाचा, बिदेसिया, करियाला, भवई, तमाशा, जात्रा, अंकिया नाट, कुडियाट्टम, भागवत मेल।

इकाई 3 : पाठपरक अध्ययन – 1

(12 घंटे)

- लखमीचंद : सांग – ‘नल दमयन्ती’
- भिखारी ठाकुर : ‘बिदेसिया’

इकाई 4 : पाठपरक अध्ययन – 2

(12 घंटे)

- गिरीश कर्नाड : यक्षगान – ‘हयवदन’
- सिद्धेश्वर सेन : माच – ‘राजा भरथरी’

सहायक ग्रंथों की सूची:

1. सांकृत्यायन, पंडित राहुल; हिंदी साहित्य का वृहत इतिहास, 16वां भाग
2. सत्येन्द्र डॉ.; लोक साहित्य विज्ञान
3. मिश्र, विद्या; वाचिक कविता : भोजपुरी
4. परमार, श्याम; लोकधर्मी नाट्य परंपरा
5. सिन्हा, विद्या; भारतीय लोक साहित्य परंपरा और परिदृश्य
6. बंधु, हरिचंद्र; लक्ष्मीचंद का काव्य वैभव
7. हिंदी साहित्य को हरियाणा प्रदेश की देन, हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकूला
8. शर्मा, पूर्णचंद; हरियाणा की लोकधर्मी लोकनाट्य परंपरा
9. अग्रवाल, रामनारायण; सांगीत एक लोकनाट्य परंपरा
10. मालिक, कुसुमलता; स्वातंत्र्योत्तर पारंपरिक रंग प्रयोग, इंडियन पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स, दिल्ली।
11. शर्मा, यशपाल; दादा लखमी फिल्म
12. गौतम, रमेश (संपादक); हिंदी रंगमंच का लोक पक्ष
13. वात्स्यायन, कपिला; पारंपरिक भारतीय रंगमंच : अनंत धाराएं
14. Hansen, Kathryn; Ground for play: Nautanki Theatre of North Indian, University of California Press, 1992
15. Kulkarni, Dr. P. D.; Dramatic World of Girish Karnad, Creative Publications, Nanded, Maharashtra